

प्रेषक,

विनोद फोनिया,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,  
लघु सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,  
देहरादून।

लघु सिंचाई अनुभाग

देहरादून: दिनांक 04 मार्च, 2009

विषय— पुर्नविनियोग के माध्यम से वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 2188/ल0सि0/अधि0बजट /2008-09 दिनांक 12.02.2009 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में आयोजनेत्तर पक्ष के अन्तर्गत विभिन्न मदों में उपलब्ध बचत से संलग्न विवरणानुसार पुर्नविनियोग के माध्यम से रूपया 178.70 लाख (रूपया एक करोड़ अठहत्तर लाख सत्तर हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति व्यय हेतु आपके निर्वतन पर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. स्वीकृत धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय-समय पर जारी मितव्ययता सम्बन्धी निर्देशों एवं वित्त हस्त-पुस्तिका में उपलब्ध प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
2. स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय, जहां कहीं आवश्यक हो व्यय से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
3. जिन मदों में बचत सूचित की गयी है उसे व्यय न किया जाय तथा जिन मदों में पुर्नविनियोग के माध्यम से धनराशि मांगी गयी है उन मदों पर धनराशि समर्पित न की जाय।
4. स्वीकृत धनराशि का व्यय संलग्नक में उल्लिखित लेखाशीर्षक के नामे डाला जायेगा तथा कालम 1 में उल्लिखित मदों में उपलब्ध बचत से वहन किया जायेगा।
5. यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0 पत्रांक 264(NP)/XXVII-4 /09, दिनांक 03.03.2009 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(विनोद फोनिया)  
सचिव

संख्या-436 / 11 / 2009-03(01) / 2008 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
2. समस्त अधिशासी अभियन्ता, लघु सिंचाई, उत्तराखण्ड।
3. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. अधीक्षण अभियन्ता, लघु सिंचाई वृत्त, पिथौरागढ़, हल्द्वानी, पौड़ी।
6. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-4, नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एस0एस0टोलिया)  
अनु सचिव

# आय-व्ययक प्रपत्र-15

नियंत्रक अधिकारी-मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, लॉसि0वि0, उत्तराखण्ड  
अनुदान संख्या-20

वित्तीय वर्ष 2008-09


प्रशासनिक विभाग:- लघु सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड  
(आयोजनेतर)

(धनराशि हजार रू0 में)

| 1                                       | 2  | 3   | 4                         | 5  | 6  | 7  | 8   |
|---|--|---|---------------------------|--|--|--|---|
| वर्गकृत अतिरिक्त एवं लघुसिंचाई का विवरण | मानक<br>सदवार<br>अनुवर्धक<br>व्यय<br>01/09<br>तक | वित्तीय<br>वर्ष के<br>शेष अवधि<br>में<br>अनुमानित<br>व्यय | अवशेष<br>सरप्लस<br>धनराशि | लघुसिंचाई (क) विन्समें धनराशि स्वतन्त्रनिरूपित की जाये<br>है   | पुनर्विनियोग<br>के बाद<br>स्तम्भ-5<br>की कुल<br>धनराशि | पुनर्विनियोग<br>के बाद<br>स्तम्भ-1<br>की कुल<br>धनराशि | टिप्पणी   |
| <b>1</b>                                | <b>2</b>   | <b>3</b>  | <b>4</b>                  | <b>5</b>   | <b>6</b>   | <b>7</b>   | <b>8</b>  |
| 2702-लघु सिंचाई                         |  |   |                           | 2702-लघु सिंचाई  |  |  | (क) लघु सिंचाई अधिष्ठान के अन्तर्गत 02-मजदूरी तथा       |
| 02-मूल                                  |  |   |                           | 02-मूल   |  |  | 03-महगाई भत्ता मद में धनराशि व्यय न होने के कारण        |
| 005-अन्वेषण                             |  |   |                           | 005-अन्वेषण  |  |  | बचत है।   |
| 03-भूगर्भ जल सर्वेक्षण का विकास         |  |   |                           | 03-भूगर्भ जल सर्वेक्षण का विकास  |  |  | (ख) लघु सिंचाई खण्डों की मागानुसार 01-वेतन मद में       |
| आकलन एवं सुदृढीकरण-00                   |  |   |                           | आकलन एवं सुदृढीकरण-00  |  |  | भुगतान हेतु 16071 हजार रू0 की धनराशि की                 |
| आयोजनेतर                                |  |   |                           | आयोजनेतर   |  |  | आवश्यकता है। अतः 16071 हजार रू0 की धनराशि का            |
| 02-मजदूरी                               | 496  | 3304  | 6000                      | 01-वेतन  | 53661  | 4000   | पुनर्विनियोग प्रस्तावित है। इस मद में 37590 हजार रू0    |
| 03-महगाई भत्ता                          | 12555  | 5567  | 10071                     |  |  | 18122  | प्राप्त है तथा 24870 हजार रू0 व्यय हो चुके हैं। शेष     |
|   |  |   |                           |  |  |  | धनराशि एवं पुनर्विनियोग के माध्यम से प्राप्त धनराशि रू0 |
|   |  |   |                           |  |  |  | 16071 हजार भी व्यय हो जायेगी।                           |
|   |  |   |                           |  |  |  | (ग) लघु सिंचाई अधिष्ठान के अन्तर्गत 48-महगाई वेतन       |
|   |  |   |                           |  |  |  | मद में धनराशि व्यय न होने के कारण बचत है।               |
|   |  |   |                           |  |  |  | (घ) लघु सिंचाई खण्डों की मागानुसार 08-कार्यालय          |
|   |  |   |                           |  |  |  | व्यय 15-गाड़ियों का अनुरक्षण/पेट्रोल आदि की खरीद,       |
|   |  |   |                           |  |  |  | 16-व्यवसायिक सेवा पर व्यय, 17-किराया उपशुल्क, एवं       |
|   |  |   |                           |  |  |  | 27-चिकित्सा प्रतिपूर्ति पर व्यय मद में भुगतान हेतु 1799 |
|   |  |   |                           |  |  |  | रू0 की धनराशि की आवश्यकता है। अतः कुल 17870             |
|   |  |   |                           |  |  |  | हजार रू0 की धनराशि का पुनर्विनियोग प्रस्तावित है, जो    |
|   |  |   |                           |  |  |  | कि व्यय कर ली जायेगी।                                   |
| 48-महगाई वेतन                           | 18795  | 8167  | 10628                     | 08-कार्यालय व्यय<br>15-गाड़ियों का अनु0/पेट्रोल<br>16-व्यवसायिक सेवा पर व्यय<br>17-किराया उपशुल्क<br>27-चिकित्सा प्रतिपूर्ति | 1105<br>2500<br>180<br>1734<br>980                     | 16906  |   |
| योग :                                   | 56988  | 21218   | 26699                     | योग :  | 60160  | 38947  |   |

(रस0एस0टोलिया)  
अनु सचिव

उत्तराखण्ड शासन  
वित्त अनुभाग-4  
संख्या 264 (MP)/वि0अनु0-4/2008-09  
देहरादून दिनांक : 03 मार्च, 2009

पुनर्विनियोग स्वीकृत  
  
(अर्जुन सिंह)  
अपर सचिव (वित्त)

सेवा में,

महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- वित्त अनुभाग-4 उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
- 2- समस्त जिलाधिकारी/कंषाधिकारी उत्तराखण्ड ।
- 3- मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, लघु सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून ।

आज्ञा से,

  
(एस0एस0 टोलिया)  
अनु सचिव